Regarding power supply for irrigation in Madhya Pradesh-laid

डॉ**.** ढालसिंह बिसेन **(**बालाघाट**):** वर्तमान में मध्यप्रदेश में किसानों को सिंचाई हेतु बिजली आपूर्ति 2 पालियों में 10 घंटे की जाती है जिसमें एक पाली दिन और एक पाली की सप्लाई रात 1 से 4 बजे के बीच की जाती है। जो कि किसान के लिए ऐसे मौसम में बहुत पीड़ादायक है। इसके अलावा रात्रि में जंगली जानवरों का आतंक अलग रहता है। विगत कुछ सालों में मेरे संसदीय क्षेत्र में कई लोग जंगली जानवरों का शिकार हो मृत्यु को प्राप्त हो गए है। वास्तविकता यह है कि किसानों को निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति नहीं होती है। सप्लाई के दौरान बार बार ट्रिप होने/ मेंटेनेंस के नाम पर आपूर्ति बाधित होती है जिससे किसानों के लिए सिंचाई के लिए बिजली पर्याप्त नहीं मिलती लो वोल्टेज की समस्या अलग। फीडर सेप्रेशन के नाम पर भी किसानों के साथ छलावा किया गया है। विद्युत आपूर्ति पर्याप्त न होने और बार बार बाधित होने के कारण, लो वोल्टेज से किसानों के कृषि उपकरण खराब होते है जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक हानि उठानी पड़ती है। सरकार द्वारा किसानों के हित में अनेक कार्य किये हैं। मेरा सरकार से आग्रह है कि किसानों को 10 घंटे के बजाये कम से कम 18 घंटे किये निर्बाध रूप से बिजली आपूर्ति की जाये।